# दादी मोसस

## अमरीकी चित्रकार

# दादी मोसेस - अमरीकी चित्रकार

एना मैरी जब बड़ी हुईं तो उनके ज़हन में जीवन की खुशी और खूबसूरत जगहों की यादें बरक़रार थीं। आखिर में उन्हें चित्रकारी करने का समय मिला। जिन चीज़ों ने उनकी कल्पना पर कब्जा किया, उन्हें लोगों ने भी बहुत सराहा। उनकी तस्वीरों के माध्यम से युवा और बुज़ुर्ग लोगों ने, पुराने दिनों की यादों को तरोताज़ा किया और बीते दिनों का जश्न मनाया, और दादी मोसेस की जादुई दुनिया का लुत्फ़ उठाया।

एक प्रसिद्ध चित्रकार बनने से पहले एना मैरी रॉबर्टसन एक बहुत मेहनती लड़की थी जो कि फार्म पर काम करती थी। वो पूरे दिन अपने परिवार के साथ काम करती थी। लेकिन दूध मंथते समय या फिर खेतों में भागते वक्त भी, एना मैरी, दुनिया की खूबसूरती को निहारती थीं। जिस तरह से सूरज ढलता है और मौसम के साथ रंग बदलते हैं वो उन सब को चित्रित करना चाहती थीं। पर तब उनके मत्थे बहुत काम थे - खेतों की देखभाल और अन्य काम।

"अगर मैंने पेंटिंग शुरू नहीं की तो मैंने मुर्गियां पाली होतीं।"

दादी मोसेस

एना मैरी रॉबर्टसन का जन्म 7 सितंबर 1860 को वाशिंगटन काउंटी न्यूयॉर्क में, एक फार्म पर हुआ था।

उनका बचपन काफी खुशहाल था। आलसी गर्मियों के दिनों के दौरान, वह अपने भाइयों द्वारा बनाई गई नाव पर सवार होकर तालाब में तैरती थीं और आसमान में सफेद बादलों को निहारती थीं। वो सुगंधित जंगली फूलों से भरे खेतों में दौड़ती थीं। हालाँकि, उनका पसंदीदा खेल "सपनों के हवाई-महल" बनाना था।
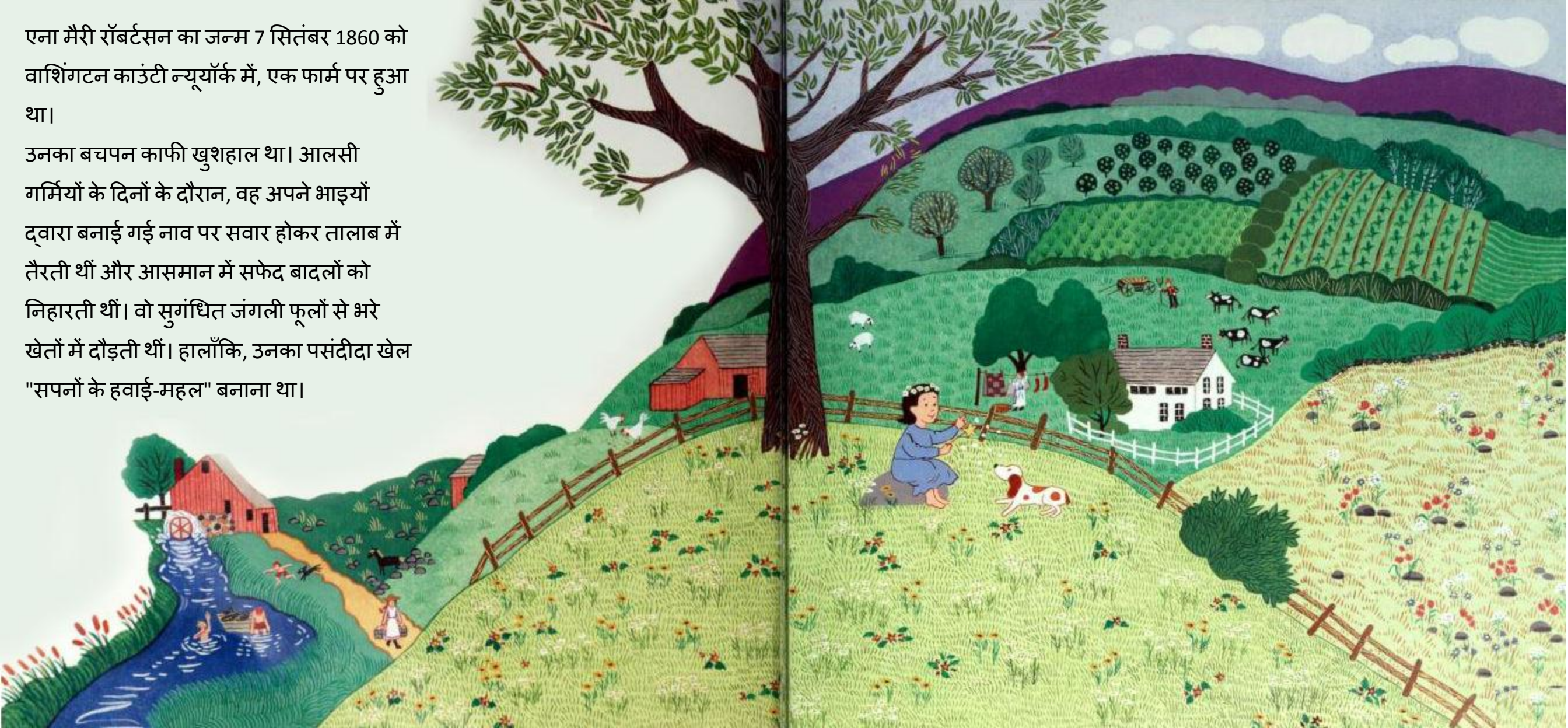
एना मैरी के पास बहुत कम खिलौने थे, इसलिए वो खुद अपने खिलोने बनाती थीं। उन्होंने अखबारों को काटकर कागज़ की गुडिये बनायीं। फिर नील से आँखों को, और काले अंगूर के रस से गुड़िया के होंठों को रंगा। एना मैरी ने, मां के पुराने पेटीकोट से गुड़िया के कपड़े बनाये। उन्हें अपनी पहली कलाकृति पर वाकई में बड़ा गर्व था।

एक सर्दियों में उसके पिताजी बीमार हो गए। वह बाहर काम नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने माँ से बैठक की दीवारों पर चित्र बनाने की अनुमति मांगी। माँ ने पिताजी को चित्र बनाने की इज़ाज़त दे दी।
घंटों तक एना मैरी, पिताजी को पास के लेक जॉर्ज का एक दृश्य बनांते हुए देखती रही। माँ उस लैंडस्केप से इतनी प्रसन्न हुईं कि उन्होंने पिताजी से पूरे कमरे की दीवारों पर चित्र बनाने को कहा।
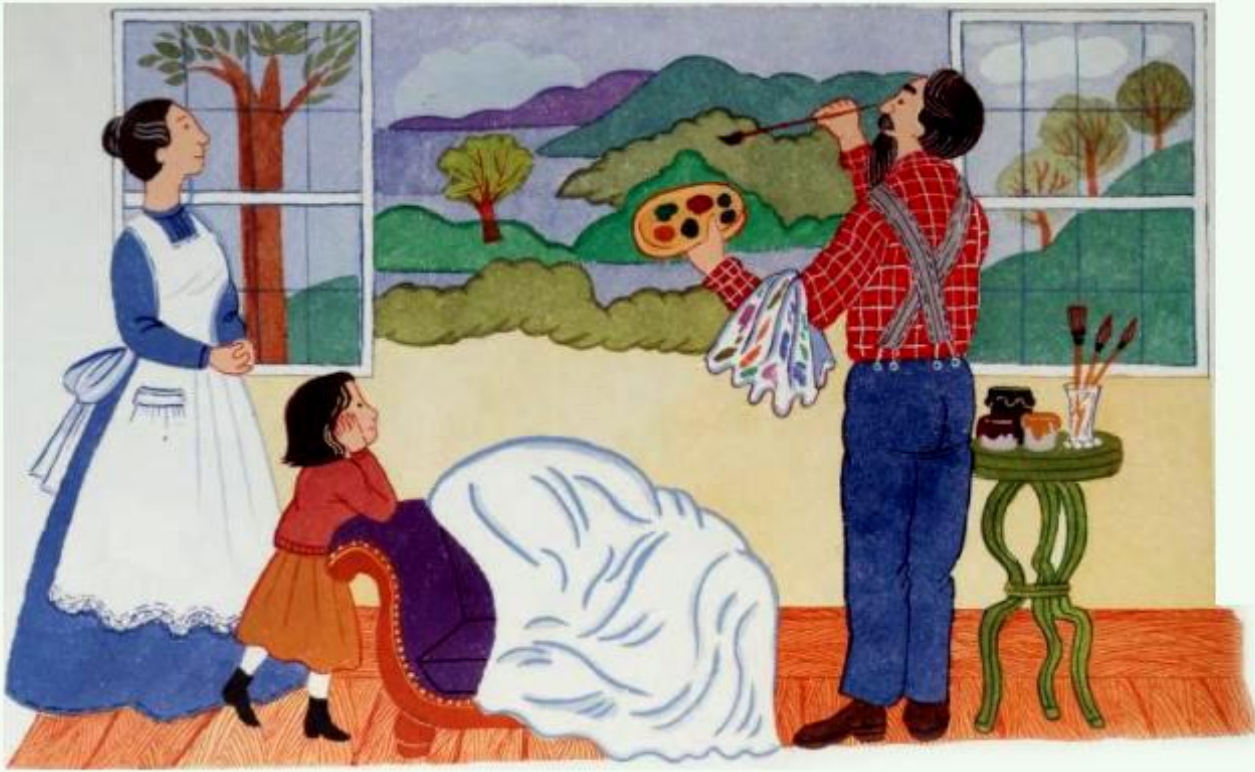
चित्र बनाना अन्ना मैरी को बहुत मज़ेदार लगा, इसलिए उसने अपनी स्लेट और खिड़कियों के काँचों पर भी पहाड़ियों, झीलों, खेतों और पेड़ों के दृश्य बनाये। उसने उन्हें "लैम्ब-स्कैप्स" का नाम दिया, जिसे सुनकर उसका भाई हंस पड़ा।

पिताजी को एना मैरी की पेंटिंग पसंद आईं, लेकिन माँ को खेत के काम में एना मैरी की मदद की जरूरत थी।
सर्दियों में एना मैरी शरबत बनाने के लिए मेपल जूस से भरी बाल्टियां को बाहर से घर में लाती थी। मोमबत्तियाँ और साबुन बनाने में वो मॉ और पड़ोसियों की भी मदद करती थी। स्कूल में भी काफी समय चला जाता था - तीन महीने गर्मियों में और तीन सर्दियों में। अब उसे पेंटिंग करने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं मिलता था।
जब एना मैरी बारह वर्ष की हुई तो वह एक घर में नौकरानी का काम करने चली गई। वो पास के एक परिवार के लिए कड़ी मेहनत करती थी - दिन में तीन बार भोजन बनाती थी, बगीचे की देखभाल करती थी, कपड़े धोती और उन्हें इस्त्री करती थी और दूध से मक्खन निकालती थी।
 कुछ सालों बाद उसने एक ऐसे परिवार के लिए काम किया, जिसने उसे काम समाप्त करने के बाद स्कूल जाने दिया।

स्कूल में उसे कभी-कभी चित्र बनाने दिया जाता था। उसे नक़्शे बनाना भी बहुत अच्छा लगता था। एक दिन टीचर ने एना मैरी से उसकी एक ड्राइंग मांगी क्योंकि उसमें उसने पहाड़ों को बड़े आकर्षक ढंग से दर्शाया था। एना मैरी खुश थी कि किसी को तो उसकी कलाकृति पसंद आई।

1886 की सर्दियों में युवा एना मैरी एक अन्य परिवार के लिए काम करने गई। वहाँ उसकी भेंट एक मज़दूर - थॉमस सॉलोमन मोसेस से हुई। एना मैरी की थॉमस से अच्छी जान-पहचान हुई और वो उसका आदर करने लगी। बाद में एना मैरी ने लिखा, "उन दिनों हम पैसे वाले आदमी की बजाए एक अच्छे परिवार, एक अच्छे इंसान को तलाशते थे, क्योंकि उस समय - बहुत से लड़के मुर्गी-चोर होते थे।"

एना मैरी और थॉमस को एक-दूसरे से प्यार हो गया और एक साल बाद उन्होंने शादी कर ली। फिर वे स्टॉन्टन के पास शेनानडो घाटी में वर्जीनिया चले गए और वहां एक डेयरी फार्म का कामकाज देखने लगे। उन्होंने दूध के धंधे के लिए पैसे उधार लेकर दो गाय खरीदीं। दूध से मक्खन निकालते समय एना मैरी बरामदे में बैठकर बाहर की सीनरी को देखती और निहारती थी। सूर्य ढलते समय हरी पहाड़ियों को नीले रंग में बदल देता था। ट्रेन का काला धुंआ गुलाबी आकाश में बहता था। उसके दिल में उन सुन्दर दृश्यों को पेंट करने की ज़बरदस्त इच्छा होती थी। पर उसकी बजाए उसने बहुत सारा दूध मक्खन में बदलकर गायों के क़र्ज़ का भुगतान किया।

जल्द ही एना मैरी के एक बच्चा हुआ और फिर परिवार माउंट एरी फार्म चला गया। बाद में उसके नौ और बच्चे हुए, लेकिन सभी जीवित नहीं बचे।

"मैं उस खूबसूरत घाटी में पाँच छोटी कब्रें छोड़कर आई," उसने उदास होकर लिखा।

अंत में परिवार न्यूयॉर्क चला गया। उन्होंने ईगल ब्रिज के पास एक डेयरी फार्म खरीदा, जिसे उन्होंने माउंट नीबो बुलाया।
एना मैरी खाना पकाने, कपड़े धोने, इस्त्री करने, बागवानी करने, मुर्गियों को खिलाने, और बच्चों को पालने में अपना पूरा दिन बिताती थी। एक दिन वह दीवार पर रंगीन कागज़ चिपका रही थी पर बीच में ही रंगीन कागज ख़त्म हो गया। एना मैरी को चित्र बनाने का यह एक अच्छा मौका लगा। उसने दीवार में बने अलाव के दोनों ओर दो बड़े पेड़ चित्रित किए और बीच में बड़ी झाड़ियों के बीच उसने एक झील भी बनाई। परिवार ने इस दृश्य की खूब प्रशंसा की।
"वह मेरी पहली बड़ी तस्वीर थी," एना मैरी ने बाद में लिखा।
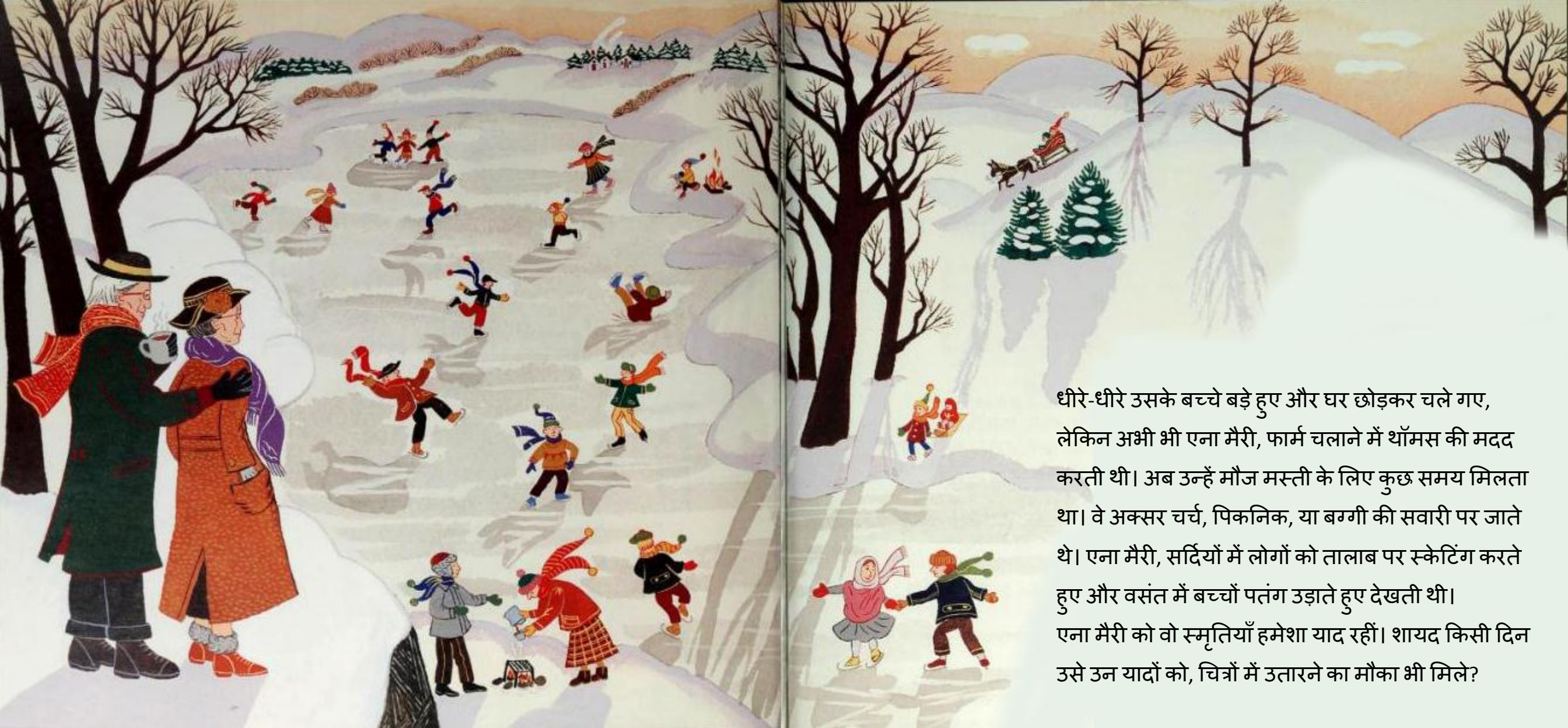
धीरे-धीरे उसके बच्चे बड़े हुए और घर छोड़कर चले गए, लेकिन अभी भी एना मैरी, फार्म चलाने में थॉमस की मदद करती थी। अब उन्हें मौज मस्ती के लिए कुछ समय मिलता था। वे अक्सर चर्च, पिकनिक, या बग्गी की सवारी पर जाते थे। एना मैरी, सर्दियों में लोगों को तालाब पर स्केटिंग करते हुए और वसंत में बच्चों पतंग उड़ाते हुए देखती थी।
एना मैरी को वो स्मृतियाँ हमेशा याद रहीं। शायद किसी दिन उसे उन यादों को, चित्रों में उतारने का मौका भी मिले?

1927 की कड़क ठंड में थॉमस बीमार हुआ और अचानक उसकी मृत्यु हो गई। बच्चों के चले जाने और पति के देहांत के बाद एना मैरी ने अपने जीवन में पहली बार अकेलापन महसूस किया। लेकिन अब उसके पास चित्रकारी के लिए समय था। चित्रकारी शुरू करने से उसे कुछ आराम मिला। अंत में वह लोगों को वो तमाम खुशियां दिखा सकती थीं जो उसने जीवन भर इकट्ठा की थीं, और लोग दुनिया को उसकी आंखों से देख सकते थे।

उसने कई खराब चित्र भी बनाए जिसमें उसने बहुत चटकीले रंग उपयोग किये थे। उंगलियों में गठिया होने के बाद वो सुई नहीं पकड़ सकती थी। तब उसने पेंटिंग की ओर रुख किया।

एना मैरी अक्सर महसूस करती थी कि थॉमस उसे कंधे के पीछे से देखता था और क्या रंगना है वो उसे बताता था। उसने लिखा, "मुझे कभी पता नहीं होता था कि मैं क्या पेंट करूंगी। कोई मुझे बताता था कि क्या सही है और मुझे क्या करना है।"

अगले दस सालों में एना मैरी ने तमाम चित्र पेंट किये। वो हमेशा कुछ ऐसे चित्र बनाती थीं जिसे देखकर दिल खुश हो जाता था। "मुझे चमकीले रंग और गतिशील चित्र ही पसंद है," उन्होंने लिखा।

एना मैरी ने सस्ते पेंट और ब्रश ही इस्तेमाल किए। बारीक काम के लिए वो टूथपिक का इस्तेमाल करती थीं। उनसे वो बिंदियां बनाकर बर्फ के दृश्यों को चमकीला बनाती थीं।

1938 में, कई चित्र बनाने के बाद, उन्होंने उनमें से कुछ को होओसिक फॉल्स की एक दवा दुकान में, प्रदर्शित किया।

"मैंने कैम्ब्रिज मेले में खुद अपने हाथों से बनाये डिब्बाबंद फलों और रास्पबेरी जैम का भी प्रदर्शन किया," उन्होंने लिखा। "मुझे अपने फलों और जैम के लिए पुरस्कार ज़रूर मिला, लेकिन किसी पेंटिंग के लिए नहीं।"

वह निराश ज़रूर हुईं, पर वो रुकी नहीं। पेंटिंग में उन्हें बहुत मज़ा आ रहा था।

एक दिन न्यूयॉर्क का एक कला संग्रहकर्ता - लुई कैल्डोर ने होसिक फॉल्स से गुजरते हुए एना मैरी के चित्र देखे। पुराने ज़माने के जीवन को दर्शाते वो कृषि से सम्बंधित दृश्य उसे बहुत पसंद आये। उसे लगा कि अन्य लोग भी उन्हें पसंद करेंगे।

लुई कैल्डोर उन चित्रों को न्यूयॉर्क ले गया। उसे लगा कि न्यूयॉर्क की कोई आर्ट गैलरी उनकी प्रदर्शनी लगाएगी।

महीनों बीत गए लेकिन किसी भी आर्ट गैलरी ने उन चित्रों में अपनी दिलचस्पी नहीं दिखाई। हालांकि कला डीलरों को वो तस्वीरें पसंद आईं, पर वे एक अज्ञात कलाकार पर बाज़ी नहीं लगाना चाहते थे, जो अस्सी साल की एक बूढ़ी औरत थी।

जब म्यूजियम ऑफ़ मॉडर्न आर्ट में, अज्ञात अमेरिकी चित्रकारों की प्रदर्शन लगी तो उसमें एना मैरी के भी तीन चित्र थे।

फिर, 1940 में गैलारी सेंट एटिने ने भी, एना मैरी की पेंटिंग्स को प्रदर्शित करने की ठानी।

एना मैरी ने जिस ईमानदार तरीके से अपने दिल से यादों को चित्रित किया था वो लोगों को बहुत पसंद आया। बीते हुए दिनों के उन चित्रों - लोगों को बर्फ में खेलते, मधुमक्खियों के डिज़ाइन वाली रज़ाइयां, छुट्टियों पर एक-साथ मिलते परिवार आदि को देखकर लोग मुस्कुराते थे। एना मैरी की तस्वीरों के माध्यम से उन्हें लगा जैसे वे उन्हें करीबी से जानते हों, बिल्कुल अपनी दादी की तरह। जल्द ही एना मैरी को "दादी मोसेस" के रूप में जाना जाने लगा।

"जब मेरी प्रदर्शनी खुली, तो बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोग आए, जिन्होंने आकर मेरी कहानी सुनी," एना मैरी ने लिखा।

बुज़ुर्ग लोगों ने कहा कि एना मैरी के उदाहरण से उन्हें प्रेरणा मिली। बूढ़ी उम्र में एक नया करियर शुरू करने के लिए उन्होंने एना मैरी की प्रशंसा की।

ग्रीटिंग कार्ड्स पर एना मैरी की तस्वीरों को छापा गया, और फिर जल्द ही बहुत से लोग दादी मोसेस की कलाकृति से वाकिफ हुए।

1949 में राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन ने एना मैरी को, कला में उत्कृष्ट योगदान के लिए "नेशनल विमेंस क्लब" पुरस्कार प्रदान किया।
एना मैरी ने रेडियो और टीवी पर इंटरव्यू दिया और लोगों को अपनी पेंटिंग्स के बारे में बताया। दादी मोसेस ने बताया, "इससे पहले कि मैं पेंटिंग करना शुरू करूं मैं उसके लिए एक फ्रेम खोजती हूँ, फिर मैं फ्रेम को फिट करने के लिए पेंटिंग बोर्ड बोर्ड खोजती हूँ। (सुअर पालने से पहले मैं उसका बाड़ा निर्माण करना ठीक समझती हूँ।)
उन्होंने विनम्रता से लिखा, "मैं पहले से बेहतर काम कर रही हूं, लेकिन यह बेहतर ब्रश और पेंट के कारण है।"
लोगों ने उनकी कलाकृतियों के लिए उन्हें बहुत सारे पैसे दिए, लेकिन यह उनके लिए कोई ख़ास मायने नहीं रखता था।
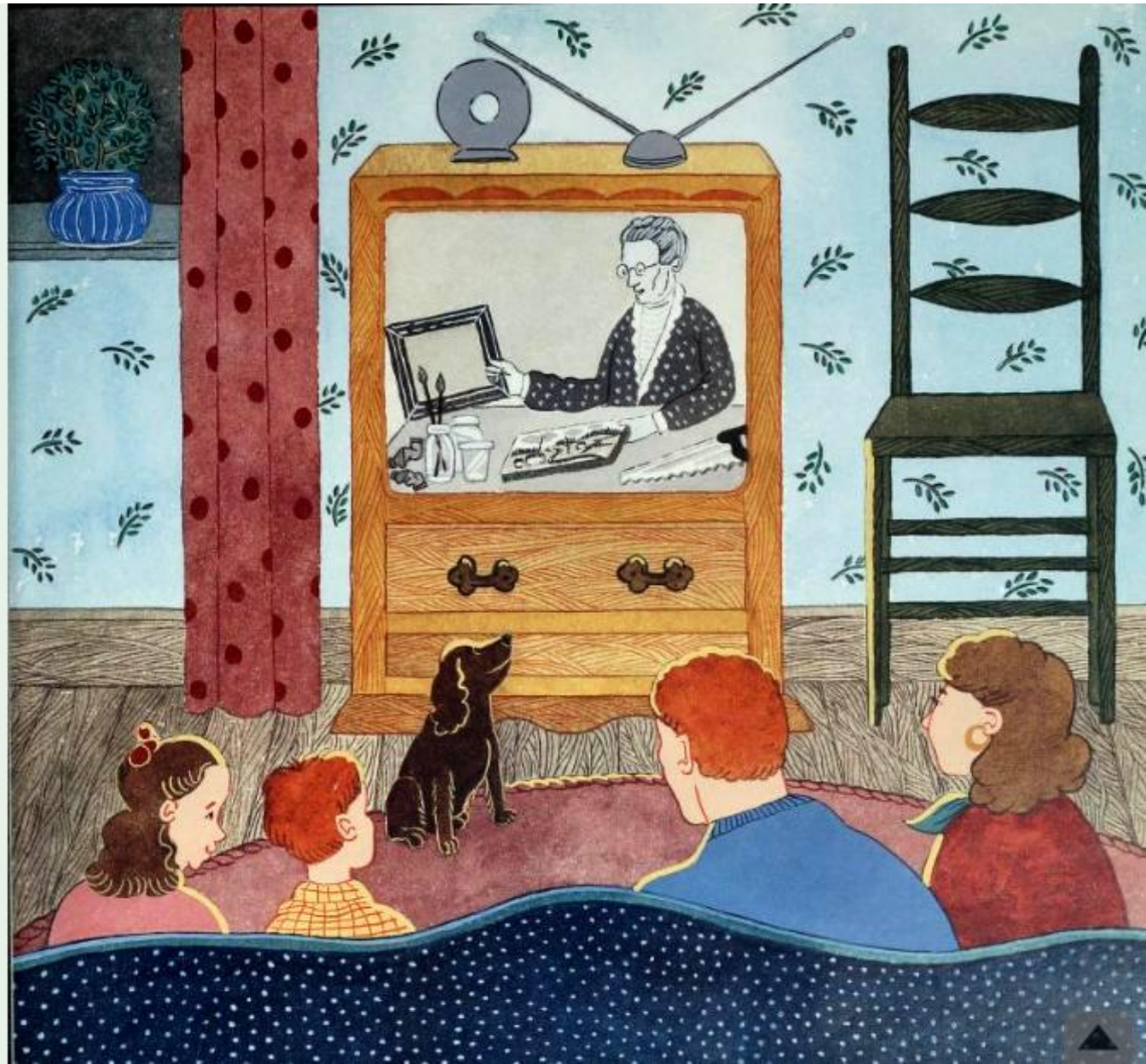
दादी मोसेस अब एक प्रसिद्ध कलाकार बन गयी थीं। उन्हें वो सपना याद आया जो उनके पिता ने उनके बारे में देखा था जब वो एक छोटी लड़की थीं।

"पिताजी ने सपना में देखा था - मैं एक बड़े हॉल में थी और वहां बहुत से लोग थे। लोग ज़ोरों से तालियां बजा रहे थे और चिल्ला रहे थे। पिताजी को वो कुछ भी समझ में नहीं आया था," उन्होंने लिखा।

वह खुश थीं कि उन्हें आखिरकार तस्वीरें बनाने का मौका मिला और लोगों ने उन सुंदर चित्रों का आनंद लिया। 13 दिसंबर 1961 को, 101 साल की उम्र में दादी मोसेस की मृत्यु हुई।

उन्होंने एक बार कहा, "तुम जैसा चाहोगे तुम्हारा जीवन वैसा ही बनेगा। ऐसा हमेशा से ही रहा है, और हमेशा रहेगा भी।"

**समाप्त**